हिन्दी पाक्षिक

महानगर स्तंभ

RNI NO. RAJHIN/2017/70561

पृष्ठ संख्या.... 2

❐ वर्ष-8 ❐ अंक-5 जयपुर, शुक्रवार 1 मार्च, 2024 ❐ एक प्रति 5 रुपये ❐ कुल पृष्ठ-4

देश-विदेश के 80 से ज्यादा ब्रांड्स हुए शामिल

तीन दिवसीय भव्य गीकेन आई.टी वॉइस एक्सपो 2024 सम्पन्न

जयपुर। तीन दिवसीय गीकेन आईटी वॉइस एक्सपो 2024 का समापन 18 फरवरी को हुआ। इससे पूर्व एक्सपों के चतुर्थ संस्करण का शुभारम्भ 16 फरवरी को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में हुआ। इवेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि भारत सरकार के उपक्रम भाशिनी डिजिटल इण्डिया कार्पोरेशन के सीईओ अमिताभ नाग द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसमें देश-विदेश के डीप टेक, टेलीकॉम, एआई, मोबाइल डिवाइस एवं गैजेट्स, स्मार्ट मोबिलिटी और विभिन्न क्षेत्रों में कार्य रहे ब्रांड्स की 80 से ज्यादा स्टॉल्स लगाई गई। एक्सपों में इन स्टॉल्स पर प्रदर्शित प्रोडक्ट्स ने सभी विजिटर्स का ध्यान आकर्षित किया। खासतौर पर युवा और स्टूडेन्ट्स के लिए यह इवेंट आकर्षण का केन्द्र रहा। इसके साथ ही आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस से संबंधित स्टॉल्स ने भी विजिटर्स को अट्रेक्ट किया। एक्सपों में कई टॉक शो और सेशन्स भी आयोजित किए गए जिनमें विभिन्न कम्पनियों के प्रतिनिधियों और अधिकारियों के द्वारा वर्तमान समय में आईटी तथा इससे जुड़े क्षेत्रों के विकास, निवेश और रोजगार की संभावनाओं पर अपने विचार रखे एवं चर्चा में भाग लिया। साथ ही वर्कशॉप का भी आयोजन किया गया। तीन दिवसीय भव्य एक्सपों के अंतिम दिन पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

एग्रीकल्चर ड्रोन

एक्सपों में प्रदर्शित एग्रीकल्चर ड्रोन ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा किसानों का जीवन आसान बनाने के लिए इस ड्रोन के जरिए 7 मिनट में लगभग डेढ़ एकड़ भूमि में कीटनाशक छिड़का जा सकता है। 50 फीट की ऊंचाई पर उड़ने वाला ड्रोन एक जगह से एक किलोमीटर की रेंज तक जा सकता है। इसमें 10 लीटर कैपेसिटी का टैंक है। इसका वॉइस असिस्टेंट 15 से अधिक भाषाओं को समझ सकता है। दस लाख के ड्रोन सरकार द्वारा जारी सब्सिडी से आधी कीमत पर उपलब्ध है।

स्मार्ट बोर्ड

एक्सपों में एक स्टॉल पर ऐसा स्मार्ट बोर्ड रखा गया जिसमें आप जो भी लिखे, उस पर टच करते ही स्क्रीन पर उसका मतलब पता चल जाता है। स्पिलिट स्क्रीन के द्वारा उसमें बोर्ड के साथ रेफ्रेंस लिए कोई भी फाइल, वीडियो या प्रजेंटेशन चला सकते है। इस की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इस पर टीचर जब तक पढ़ाएगा, उसके बाद ये बोर्ड एक क्यूआर कोड जनरेट करेगा, जिसे स्कैन कर उस क्लास का दुबारा देख जा सकता है।

एक्सपो में 25 हस्तियों का मिला राजस्थान रत्न सम्मान

राजस्थान के तकनीकी परिदृश्य की ताकत को प्रदर्शित करने वाले एक भव्य एवं ऐतिहासिक आईटी वॉइस एक्सपो 2024 के तीसरे दिन 18 फरवरी को राज्य की 25 हस्तियों को प्रतिष्ठित राजस्थान रत्न भारत पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी संगठन (आरआईटीओ) द्वारा आयोजित, यह समारोह आईटी नवाचार और उत्कृष्टता के पथ को आकार देने में दूरदर्शी लोगों के उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। उत्साह और उल्लास से भरे माहौल के बीच, एक्सपो हॉल सम्मानित लोगों को सम्मानित करने का मंच बन गया, जिनकी सरलता और समर्पण ने तकनीकी उद्योग पर एक अमिट छाप छोड़ी है। अग्रणी स्टार्टअप से लेकर स्थापित उद्यमों तक, पुरस्कार विजेताओं ने प्रतिभा के विविध स्पेक्ट्रम का प्रतिनिधित्व किया, जिनमें से प्रत्येक राजस्थान की समृद्ध विरासत और दूरदर्शी दृष्टि की भावना का प्रतीक है। समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग से विशिष्ट अतिथि इंद्रजीत सिंह आईएएस सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सूचना तकनीक से जुड़े विशेषज्ञों का आह्वान किया है कि वे राजस्थान को अपना कर्म क्षेत्र बनाएं। राज्य सरकार पूरी मदद करेगी। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राजस्थान में आकर अपने कार्यों को विस्तार दें। अपनी जन्मभूमि से जुड़े। देवनानी ने कहा कि राजस्थान के प्रवासी लोगों को एक जगह लाने का प्रयास अनुकरणीय पहल है। प्रवासी राजस्थानी के दिल में राजस्थान बसता है। उन्होंने कहा भारत आईटी में निरंतर प्रगति कर रहा है। भारत जल्दी ही तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। विकसित राष्ट्र की संकल्पना में हम सभी को भागीदार बनना है। दृढ़ नीति और इच्छा से सब कुछ संभव है। हम मेहनत करके सब कुछ बदल सकते हैं। भारत को आगे बढ़ा सकते हैं। जैसे ही उद्योग जगत की 25 हस्तियों के नाम सभागार में गूंजे, आईटी क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में उनके परिवर्तनकारी योगदान के लिए प्रशंसा की जाने लगी। सॉफ्टवेयर विकास से लेकर डिजिटल इनोवेशन, साइबर सुरक्षा से लेकर ई-कॉमर्स तक, प्रत्येक पुरस्कार विजेता राजस्थान की उद्यमशीलता की भावना और तकनीकी कौशल का प्रमाण है।

अपने संबोधन में, पुरस्कार विजेताओं ने इन सबके लिए आभार व्यक्त किया और राजस्थान और उसके बाहर तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। उन्होंने डिजिटल युग के लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य में सहयोग, समावेशिता और निरंतर सीखने के महत्व पर जोर दिया। आईटी वॉइस एक्सपो 2024 में राजस्थान रत्न भारत पुरस्कार समारोह ने न केवल उद्योग के 25 हस्तियों की उपलब्धियों का सम्मान किया, बल्कि राजस्थान के बढ़ते तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक संदेश वाहक के रूप में भी काम किया। यह राज्य और उसके बाहर सकारात्मक परिवर्तन और सतत विकास के उत्प्रेरक के रूप में प्रौद्योगिकी की पूरी क्षमता को साकार करने की दिशा में एक सामूहिक यात्रा का प्रतीक है। कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों के आईटी एक्सपर्ट मौजूद थे। समारोह को राजीव कपूर, डीपी शर्मा और सूचना प्रौद्योगिकी के आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने भी संबोधित किया।

इन आयोजनों से आईटी क्षेत्र में नवाचारों को बढ़ावा मिलेगा: डॉ. तरूण कुमार टांक

गीकेन आईटी वॉइस एक्सपो 2024 के 4जी एडिशन के प्रमुख और सीईओ डॉ. तरुण कुमार टांक के अनुसार आईटी वॉइस और राजस्थान सूचना प्रौद्योगिक संस्थान द्वारा देश के विभिन्न नामी हस्तियों को राजस्थान में पहली बार आईटी क्षेत्र में उनके योगदान और उपलब्धियों के लिए सम्मान दिया गया। इन हस्तियों ने राजस्थान का नाम गोरांवित करने के साथ साथ, बेरोजगारों को इस क्षेत्र में न केवल रोजगार दिए, बल्कि विभिन्न स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योर भी तैयार किए। आयोजन में 70 से अधिक हस्तियों की भागीदारी रही। आईबीएम, एसर, एचपी, क्रिक हील तथा कई अन्य उद्योग के दिग्गजों सहित प्रमुख ब्रांडों का प्रदर्शन वास्तव में उत्साहजनक था। तीन दिवसीय आयोजन में, यह एक्सपो उत्पादों के प्रदर्शन से कहीं अधिक बन गया। यह संवाद, सीखने और सहयोग, व्यवसायों को जोड़ने और विचारों व नवाचारों के समृद्ध आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में उभर कर आया। विविध पृष्ठभूमि के व्यक्ति, चाहे वे बी2बी या बी2सी में हों और किसी भी उद्योग में हों, मौजूद रहे। लगातार विकसित हो रहे प्रौद्योगिकी परिदृश्य को समझने, जानने का यह एक मंच बना। निरंतर नवप्रवर्तन की दुनिया में, नवीनतम बाजार पेशकशों के बारे में जागरूक और शिक्षित होना जरूरी है। आईटी वॉयस एक्सपो ने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का पता लगाने, वर्तमान नवाचारों को देखने और मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। उद्योग विशेषज्ञों द्वारा आयोजित टॉक शो और सत्रों में भाग लेने से उपस्थित लोगों को प्रौद्योगिकी की दुनिया में गहराई से जानने का मौका मिला। इन आयोजनों से आईटी क्षेत्र और इससे संबद्ध क्षत्रों में नवाचारों को बढ़ावा मिलेगा। यह ज्ञान केवल एक्सपो की सीमा तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भविष्य के लिए बेहतर और बड़े विचार उत्पन्न करने के लिए उत्प्रेरक भी बना।

राजस्थान रत्न से सम्मानित हस्तियां

राजस्थान के नामी आईटी के क्षेत्र से जुड़े भरत गोयनकाः टैली, चंद्र प्रकाश गुरनानीः पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी टेक महिंद्रा, मनु अग्रवालः नापतोल, अतुल गौड़ः सेवेक्स, संदीप दोशीः जेब्रोनिक्स, विष्णु कुमार भंडारीः सुपरट्रेन, सुरेश पंसारीः राशि पेरिफेरल, अनुज बैराठीः साइबर फ्यूचरिस्टिक, अजय डाटाः डाटा ग्रुप, सुशील शर्माः मारवाड़ी कैटलिस्ट, सुरेन्द्र कुमार सुरानाः कॉम्प्यूकॉम, मुनीश जादौनः जनेट, राजीव गुप्ताः कॉम्प्यूटेक्स, अनिल अग्रवालः नव बैक, अनिरुद्ध कालाः सेलेलबेल, बाहुल शर्माः डॉट स्क्वेयर, अखिलेश शर्माः ए3 लॉजिक, अश्वनी शर्माः पूर्व एमडी राजकंप, बालेन्दु शर्मा दाधीचः माईक्रोसोफ्ट, दुर्गा प्रसाद शर्माः यूएन डिप्लोमेट, अक्षय हाडाः सिंफोनिया, अनुपम शास्त्रीः वनस्थली, पवन गोदाराः डॉगमा सॉफ्ट, पंकज संचेतीः कॉमप्रिंट, प्रकाश मोहन भारद्वाजः पूर्व एमडी रीएल को राजस्थानरत्न भारत पुरस्कार से राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा सम्मान दिया गया।

संपादकीय

कैंसर से लड़ना एक गम्भीर चुनौती

विश्व भर में कैंसर बीमारी की चुनौती एक गम्भीर रूप धारण कर रही है, और इसका विशेष रूप से असर निम्न आय वाले देशों में उन लोगों पर हो रहा है, जोकि पर्याप्त स्तर पर बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं व उपचार की वित्तीय कवरेज के दायरे से बाहर हैं। स्वास्थ्य कैंसर बीमारी से जुड़े मामलों पर शोध के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की एजेंसी इन्टरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च आन केंसर (आईएआरसी) ने, वर्ष 2022 में 115 देशों से प्राप्त आँकड़ों के आधार पर एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। अध्ययन के अनुसार, अधिकाँश देशों में कैंसर और उसके कारण होने वाली पीड़ा के निवारण के लिए प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं का पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाता है। नए अनुमान दर्शाते हैं कि वर्ष 2050 तक विश्व भर में कैंसर मामलों की संख्या में 77 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है, और ये साढ़े तीन करोड़ तक पहुँच सकते हैं। 2022 में कैंसर के करीब दो करोड़ नए मामलें सामने आए और इस बीमारी से, 97 लाख लोगों की मौत हुई। एक अनुमान के अनुसार, हर पाँच में से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने की सम्भावना है। हर नौ में से एक व्यक्ति और हर 12 में से एक महिला की इस रोग से मृत्यु हो जाती है। 2022 के दौरान, तीन प्रकार के कैंसर रोग के मामले सबसे अधिक दर्ज किए गए इनमें फेफड़े, स्तन, कोलोरेक्टल (आँत) प्रमुख है। फेफड़ों के कैंसर के मामले सबसे अधिक सामने आते हैं, और विश्व भर में इसके 25 लाख नए मामले दर्ज किए गए, जोकि कैंसर के कुल नए मामलों का 12.4 प्रतिशत है। महिलाओं में स्तर कैंसर 23 लाख नए मामलों (11.6 प्रतिशत) के साथ दूसरे स्थान पर है, जिसके बाद 19 लाख के साथ कोलोरेक्टल कैंसर (9.6 फीसदी) आता है। इसके बाद प्रोस्टेट कैंसर (15 लाख नए मामले, 7.3 प्रतिशत) और पेट का कैंसर (9.70 लाख मामले, 4.9 प्रतिशत) हैं। फेफड़ों का कैंसर से 2022 में 18 लाख मौतें हुईं, जोकि कुल कैंसर मौतों का 18 प्रतिशत है। इसके बाद कोलोरेक्टल कैंसर (9 लाख मौतें, 9.3 प्रतिशत) और यकृत कैंसर (7.6 लाख मौतें, 7.8 प्रतिशत) हैं। यह एक गंभीर चुनौती है। क्योंकि इसमें ना तो उनमें समय से बीमारी का पता चल पाता है और ना ही उसका गुणवत्तापरक इलाज हो पाता है। इन सबके लिए इस दिशा में जागरूक होने पर बल दिया जाता है। साथ ही सरकारें भी बेहतर, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करें। इसके मद्देनजर, ऐसी योजनाओं व नीतियों को विकसित, वित्त पोषित व लागू करने पर बल दिया जाए जिनसे सर्वजन को कैंसर से मुकाबले में स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित की जा सके।

राज्यपाल से मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल ने की मुलाकात

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र से 28 फरवरी को राजभवन में राजस्थान वृत्त के मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल वीरेन्द्र कुमार गुप्ता ने मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल मिश्र को श्री राम जन्मभूमि मंदिर पर जारी स्मारक डाक टिकटों का सेट और दुनिया के विभिन्न देशों में भगवान श्री राम पर जारी डाक टिकटों से जुड़ी यात्रा की पुस्तक भेंट की। राज्यपाल मिश्र ने स्मारक डाक टिकट के अंतर्गत श्री रामजन्म भूमि मंदिर और वहां पर उत्कीर्ण श्री गणेश, हनुमान, जटायु, केवटराज और मां शबरी के जारी 6 डाक टिकट सेट की सराहना की। उन्होंने आस्ट्रेलिया, कंबोडिया, कनाडा, फीजी, इण्डोनेशिया, नेपाल, श्रीलंका, न्यूजीलैण्ड, थाइलैण्ड, यूएन, अमेरिका, सिंगापुर जैसे विश्व के 20 से अधिक देशों द्वारा रामायण से जुड़े चरित्रों और कथानकों पर समय-समय पर जारी डाक टिकटों की यात्रा से जुड़ी पुस्तक को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह राम-मय जीवन और संस्कृति की गौरव गाथा है। उल्लेखनीय है कि डाक विभाग द्वारा जारी श्रीराम जन्म भूमि स्मारक डाक टिकट और इस पुस्तक का कुछ समय पूर्व ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकार्पण किया था।

बचपन स्कूल का वार्षिक उत्सव सम्पन्न

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि बच्चों को बचपन से ही उनकी रूचि के अनुसार आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चें मन लगाकर सीखे। अभिभावक बच्चों पर पूरा ध्यान दें और अध्यापक बच्चों को सुसंस्कारित करें। देवनानी ने 20 फरवरी को बिरला सभागार में आयोजित बचपन स्कूल के वार्षिक उत्सव को सम्बोधित किया। देवनानी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपनी रूचि के अनुसार ही विषयों का चयन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपना लक्ष्य तय कर, उस दिशा में मेहनत करके आगे बढना चाहिए, ताकि वे अपने जीवन में सफल हो सके।

राजस्थान पुलिस का ऑनलाइन फ्रॉड पर लगाम कसने के लिए 'मीसो' के साथ एमओयू

जयपुर। राजस्थान पुलिस प्रदेश में 'ऑनलाइन फ्रॉड' के बारे में लोगों में जागरूकता के जरिए इसके प्रकरणों पर लगाम कसने के लिए ई-कॉमर्स कम्पनी 'मीसो' के साथ मिलकर कार्य करेगी। इस संबंध में बुधवार को जयपुर में पुलिस मुख्यालय में महानिदेशक साइबर क्राइम, एससीआरबी एवं तकनीकी सेवाएं डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा एवं महानिरीक्षक एससीआरबी शरत कविराज की मौजूदगी में करार (एमओयू) किया गया है। राजस्थान पुलिस की ओर से पुलिस अधीक्षक, एससीआरबी मनीष कुमार चौधरी और मीसो की ओर से जनरल काउंसिल लोपमुद्रा राव ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इसके तहत ऑनलाइन ट्रांजेक्शंस की सुरक्षा से सम्बंधित सभी आवश्यक मुद्दों पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स एवं स्टेक होल्डर्स की ट्रेनिंग के जरिए जन जागरूकता की दिशा में कार्य किया जाएगा। इससे लोगों में सर्तकता और सजगता के साथ सुरक्षित डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए माहौल तैयार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मीसो पूर्व में कर्नाटक पुलिस के साथ भी इस क्षेत्र में कार्य कर चुकी है। अब यह राजस्थान पुलिस के साथ मिलकर कार्य करेंगी। जहां इस ई-कॉमर्स कंपनी के बड़ी संख्या में कस्टमर्स भी है। महानिदेशक साइबर क्राइम, एससीआरबी एवं तकनीकी सेवाएं डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ऑनलाइन लेनदेन की दुनियां में लोगों को भ्रमित करके धोखाधड़ी के कई नए तरीके प्रकाश में आ रहे हैं। ऐसे में इस अनुबंध के तहत लोगों में जागरूकता के जरिए सुरक्षित डिजिटल लेनेदेन का वातावरण बनाने के लिए राजस्थान पुलिस के विषेषज्ञ और ई-कॉमर्स कम्पनी 'मीसो' के एक्सपर्ट्स साझेदारी में कार्य करेंगे। इसके तहत राजस्थान पुलिस के फेसबुक पेज, एक्स हैंडिल और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संयुक्त कैंपेन चलाकर डिजिटल लिटरेसी और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के लिए लोगों को जागरूक बनाया जाएगा। दोनो पक्ष मिलकर इस क्षेत्र में इनोवेशन, नए ट्रेंड्स और चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए कार्य करेंगे। इस मौके पर मीसो की जनरल काउंसिल लोपमुद्रा राव ने कहा कि राजस्थान पुलिस के साथ ऑनलाइन फ्रॉड को रोकने के लिए पार्टनरशिप उनकी कंपनी के लिए गर्व का विषय है। हम सुरक्षित ऑनलाइन शॉपिंग और लोगों के लिए सुरक्षित डिजिटल फ्यूचर के लिए कार्य करेंगे।

विंटेज क्लॉसिक कार एग्जीबिशन एंड ड्राइव का हुआ आयोजन

जयपुर। 25वीं विंटेज और क्लासिक कार एग्जीबिशन व ड्राइव-2024 का आयोजन 24 व 25 फरवरी को हुआ। पहले दिन 24 फरवरी को जयपुर, वड़ोदरा, दिल्ली, चण्डीगढ़ के साथ प्रदेश एवं देश के अन्य स्थानों से आई कारों की प्रदर्शनी लगाई गई। 10 विंटेज कारों से शुरू हुआ सफर अब 120 कारों के कारवां में बदल गया है। जयपुर के जयमहल पैलेस में हुई प्रदर्शनी का उद्घाटन जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफऔर पंजाब के पूर्व गर्वनर वी.पी. सिंह बदनौर ने किया। इस मौके पर पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेन्द्र सिंह शेखावत, क्लब के संस्थापक अध्यक्ष दयानिधि कासलीवाल, उपाध्यक्ष एवं सचिव भी मौजूद रहे। पर्यटन विभाग, राजस्थान और राजपूताना ऑटोमेटिव स्पोर्टस कार क्लब की ओर से आयोजित इस रैली में लगभग 120 कारें शामिल थी। कारों के प्रति लोगों का खासा आकर्शण बड़ी संख्या में हर उम्र के कार लवर्स युवा, युवती बच्चें और बुजुर्ग भी विन्टेज कार के साथ सेल्फी लेते एवं विडियों बनाते हुए दिखे। प्रदर्शनी में सबसे पूरानी 1913 की फोर्ड मॉडल टी, 1931 कैडिलैक वी16, 1924 की बेबी ऑस्टिन कारें खासा आकर्षण का केन्द्र रहीं। क्लब

प्रवक्ता के अनुसार दूसरे दिन 25 फरवरी को 120 विंटेज और क्लासिक कारें ड्राइव पर निकलीं। जयपुराइट्स ने पुरानी और विंटेज कारों को सड़क पर दौड़ते देख लुत्फउठाया। समापन पर प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन सेरेमनी हुई जिसमें अलग-अलग कैटेगरी में कार ओनर्स को सम्मानित किया गया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार प्रदेश की ऐतिहासिक विरासतों का संरक्षण करने और उन्हें सहेजने, संवारने के लिए प्रतिबद्ध है।

सुन्दर विंटेज कार महत्वपूर्ण विरासत धरोहर है जिसका संरक्षण करना हम सब की जिम्मेदारी है। 'विंटेज कॉन्कर्स' का खिताब गौतम सिंघानियां की 1956 फेर्ड थंडरबर्ड के लिए तथा दिलजीत टाइटस को स्टूट्ज सीरीज एम 1930 को मिला। कार्यक्रम के जज दिल्ली के एस.बी.जत्ती और कोलकाता के श्रीवर्धन कनोरिया रहे।

सिंधी समाज के विभिन्न संगठनों ने किया देवनानी का नागरिक अभिनंदन

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज पुरूषार्थी समाज है। सिन्धी समाज सदैव देश सेवा में तत्पर रहा है। देशहित में काम करने में समाज का बड़ा योगदान है। सिंधी समाज के विभिन्न संगठनों ने 23 फरवरी को अजमेर में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का नागरिक अभिनंदन किया। हंस पैराडाइज समारोह स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज देश के निर्माण के लिए किए जा रहे प्रयासों में कन्धे से कन्धा मिला कर काम कर रहा है। देश के लिए हम आजादी से पहले और उसके बाद भी हमेशा खड़े रहे। यह जज्बा समाज में सदैव बरकरार रहेगा। उन्होंने कहा कि सिन्धी समाज मेहनती, कर्मशील व परोपकारी

समाज है। समाज की सदैव भावना रही कि सभी को साथ लेकर चलें और सभी का विकास हो। हमारी यह भावना हमारे काम और सरकारी स्तर पर किए जा रहे प्रयासों में भी झलकती है। कार्यक्रम में घनश्याम ठारवानी ने बताया कि पूज्य बहराना साहब की ज्योत संत मेठाराम दरबार के भगत लालचंद, प्रेम प्रकाश आश्रम के संत रामप्रकाश व अयोध्या से पधारे संत मंडल द्वारा स्वागत किया गया। पार्षद रमेश चेलानी, दीपेंद्र लालवानी, मनोज मामनानी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक हरीश गिदवानी, घनश्याम भगत, गोविंद खटवानी, मनोहर मोटवानी, रमेश चेलानी, सुभाष टहलयानी रहे। कार्यक्रम में दूरदर्शन आकाशवाणी कलाकार घनश्याम भगत द्वारा सिंधी लोकगीतों की प्रस्तुति दी गई। अजमेर शहर की सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक संस्थाओं, सिंधी संगीत समिति रजि., सेवा ही कर्म जन सेवा समिति, सिंधी साहित्य व कल्चर सोसायटी, सिंधी बोली विकास परिषद, पूज्य सिंधी पंचायत पंचशील, आदर्श नगर सिंधी पंचायत, झूलेलाल सेवा मंडली वैशाली नगर, सिंधी युवा संगठन, सिंधी युवा संघ अजमेर, भोलेश्वर मंदिर सेवा समिति,

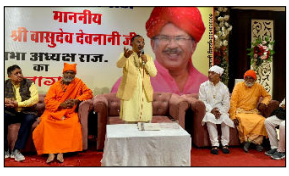

झूलेलाल धाम दिल्ली गेट, महिला जागृति मंच पंचशील, सिंधु संगम संस्था, पुष्कर होटल एसोसिएशन, सेवानी चैरिटेबल ट्रस्ट, सिंधी सद्भावना समिति, एफ ब्लॉक सिंधु समिति विकास समिति चंद्रवरदाई नगर आदि संस्थानों द्वारा देवनानी का शॉल माला, साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया।

विश्व महिला दिवस

हर साल 8 मार्च को विश्व महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। महिला दिवस महिलाओं के प्रति मान-सम्मान का प्रतीक दिवस है। इस दिन समूचे विश्व सहित भारत में वभिन्न कार्यक्रम आयोजित होते हैं। यह दिवस आधी आबादी को नमन का दिवस होता है। विगत कुछ वर्षो में शिक्षा के प्रचार-प्रसार, सामाजिक सोच में बदलाव तथा नारी सशक्तिकरण अभियानों के कारण महिलाओं के सामाजिक, शैक्षणिक और व्यक्तिगत जीवन स्तर में सुधार देखने को मिला है। विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपस्थिति और उपलब्धियां महिलाओं के आगे बढने की स्थिति को दर्शाती है। महिलाओं द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों का जश्न मनाया जाता है। यह दिवस यह दिखाने का एक तरीका है कि महिलाएं दुनिया को कैसे प्रभावित करती हैं और करती रहती हैं। प्रतिभाशाली महिलाओं का जश्न मनाने के साथ-साथ, इसे उन मुद्दों को उजागर करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिन का महत्व है।

पहले महिलाओं को वोट देने, काम करने और कई अन्य चीजों के अधिकार से भी वंचित रखा गया था। इन चीजों के खिलाफ लड़ने वाली प्रतिभाशाली महिलाओं के कारण, अब हमारे आसपास की दुनिया में महिलाओं की भूमिका और प्रगाढ़ हुई है। लेकिन आज भी ऐसे कई मुद्दे हैं जिनका महिलाएं आज भी सामना कर रही हैं और उनके लिए लड़ रही हैं। विष्व महिला दिवस हमारे लिए आज समाज में मौजूद असमानताओं, लैंगिक पूर्वाग्रह, भेदभाव और रूढ़िवादिता पर ध्यान केंद्रित करने का एक महत्वपूर्ण दिन है। महिला दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने वाला एक वैश्विक दिवस है। यह दिन महिलाओं की समानता में तेजी लाने के लिए कार्रवाई के आह्वान का भी प्रतीक है।

महिला दिवस की शुरूआत

1910 के अगस्त महीने में, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के सालाना उत्सव को मनाने के लिये कोपेहेगन में द्वितीय अंतरराष्ट्रीय समाजवादी की एक मीटिंग (अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मेलन के द्वारा आयोजित) रखी गया थी। अमेरिकन समाजवादी और जर्मन समाजवादी लुईस जिएत्ज की सहायता के द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को वार्षिक उत्सव की स्थापना हुई। हालाँकि, उस मीटिंग में कोई एक तारीख तय नही हुई थी। सभी महिलाओं के लिये समानता के अधिकार को बढ़ावा देने के लिये इस कार्यक्रम को मनाने की घोषणा हुई। इसे पहली बार 19 मार्च 1911 में ऑस्ट्रीया, जर्मनी, डेनमार्क और स्वीट्जरलैंड के लाखों लोगों द्वारा मनाया गया था। विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे प्रदर्शनी, महिला परेड, बैनर आदि रखे गये थे। महिलाओं के द्वारा वोटिंग की माँग, सार्वजनिक कार्यालय पर स्वामित्व और रोजगार में लैंगिक भेद-भाव को समाप्त करना जैसे मुद्दे सामने रखे गये थे। हर वर्ष फरवरी के अंतिम रविवार को राष्ट्रीय महिला दिवस के रुप में अमेरिका में इसे मनाया जाता था। फरवरी महीने के अंतिम रविवार को 1913 में रशियन (रुस की) महिलाओं के द्वारा इसे पहली बार मनाया गया था। 1914 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव 8 मार्च को रखा गया था। तब से, 8 मार्च को सभी जगह इसे मनाने की शुरुआत हुई।

दिव्यकीर्ति सिंह

जनवरी में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू नें राजस्थान के नागौर जिले की रहने वाली दिव्यकीर्ति सिंह को अर्जुन अवॉर्ड प्रदान करके सम्मानित किया। दिव्यकीर्ति राजस्थान की पहली महिला घुड़सवार हैं जिन्हें यह अवार्ड पाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उनके पिता विक्रम सिंह राजस्थान पोलो संघ से जुड़े हुए हैं। ऐसे में दिव्यकीर्ति बचपन से ही घुड़सवार करने लगी और इसी खेल में ख्याति पाने की ठान ली। दिव्यकीर्ति का जन्म 22 अक्टूबर 1999 को हुआ था। मूलरूप से नागौर जिले की रहने वाली है लेकिन उनकी पढ़ाई द पैलेस स्कूल जयपुर और अजमेर के मेयो कॉलेज से हुई। उनके पिता पोलो संघ से जुड़े थे। लिहाजा दिव्यकीर्ति ने भी पापा से घुड़सवारी सीखी। शुरुआत में शौकिया तौर पर वे घुड़सवारी करने लगी। इसके बाद स्पोर्ट्स के तौर पर मेयो स्कूल में भी दिव्यकीर्ति से इसे चुना। सेंवथ क्लास में उन्होंने इसको करियर की तरफ मोड़ना शुरू कर दिया था। घुड़सवार में दिव्यकीर्ति की रुचि और मेहनत के देखते उनके पिता ने उनका सपोर्ट किया और उन्होंने प्रोफेशनली ट्रेनिंग लेना शुरू कर दिया।

दिव्यकीर्ति से स्कूल और कॉलेज की एजुकेशन खत्म करने के बाद इसकी प्रोफेशनल ट्रेनिंग यूरोप से ली। दिल्ली के सेंट मेरी एंड जीसस कॉलेज यूनिवर्सिटी ऑफदिल्ली से स्टडी पूरी करने के बाद साल 2020 में दिव्यकीर्ति यूरोप गई। वहां उन्होंने प्रोफेशनल ट्रेनिंग और ड्रेसेज घोड़ा लिया। इस दौरान कई नेशनल और इंटरनेशनल कॉम्पीटिशन में भी हिस्सा लिया। इसी साल उन्होंने एशियन गेम्स में गोल्ड जीत कर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया। दिव्यकीर्ति भारतीय घुड़सवारी ड्रेसेज टीम की सदस्य हैं। वर्ष 2022 में उनका एशियन गेम्स में चयन नहीं हो सका लेकिन अगले ही वर्ष 2023 के एशियन गेम्स में उनका चयन हुआ और इसी गेम्स में दिव्यकीर्ति ने घुड़सवार में गोल्ड मेडल हासिल किया। घुड़सवारी में भारत को 41 साल के लंबे इंतजार के बार ऐतिहासिक स्वर्ण पदक मिला। एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। घुड़सवारी में अर्जुन अवार्ड पाने वाली दिव्यकीर्ति भारत की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं।

महिला दिवस 2024 की थीम

महिला दिवस 2024 की थीम इंस्पायर इंक्लूजन है। यह थीम हमारे समाज को महिलाओं के समावेशन को महत्व देने पर केंद्रित है क्योंकि हम सभी के लिए एक बेहतर और अधिक समावेशी दुनिया बनाते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि महिला दिवस 2024 की इस थीम में यह भी पता लगाया जाएगा कि कार्यस्थलों पर डिजिटल तकनीक के साथ महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों की रक्षा कैसे की जाए और लिंग-आधारित हिंसा का मुकाबला कैसे किया जाए। प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र के कई विशेषज्ञ, साथ ही लैंगिक समानता कार्यकर्ता, डिजिटल उपकरणों तक पहुंच में सुधार करने और डिजिटल कौशल विभाजन को पाटने के बारे में चर्चा करने के लिए एक साथ होंगे। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि सभी लोगों को डिजिटल तकनीक और इससे मिलने वाले अवसरों तक समान पहुंच प्राप्त हो सके जिससे नारी सुरक्षा और सषक्ति करण को और बढ़ावा मिल सके।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का हुआ समापन

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि नई पीढी में स्वदेशी की भावना के साथ वैज्ञानिक सोच को विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को राष्ट्र के महान वैज्ञानिकों के जीवनी और उनके द्वारा किये गये आविष्कारों को अध्ययन करना चाहिए। हमे अपने समृद्द पुरातनकाल का स्मरण रखना होगा, जहां पुष्पक विमान, युद्द का आंखों देखा हाल और गणेश जी के हाथी का मुंह लगाने का उल्लेख है। यह सब भारत की समृद्द विज्ञान के परिचायक है। देवनानी 28 फरवरी को शास्त्री नगर स्थित रिजनल साईंस सेन्टर और साईंस पार्क में विज्ञान भारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट रहें छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। देवनानी ने कहा कि विज्ञान दिवस हमारे वैज्ञानिक सोच के साथ राष्ट्र के विकास का उत्सव है। देवनानी ने कहा कि जीवन स्तर को उंचा उठाने के लिए वैज्ञानिक तकनीक को विकसित करें। भारत को आत्म निर्भर बनाने वाले आविष्कार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हमें उन्हें आगे बढाने की जरूरत है। देवनानी ने कहा कि बच्चों के द्वारा किये गये नवाचारों को समाज के सामने लायें। उनके द्वारा बनाये गये मॉडल्स को बडे उद्योगों को दिखाये ताकि उनका सदुपयोग राष्ट्र के लिए हो सकें। ऐसी वैज्ञानिक दृष्टि से कार्य करने की आवश्यकता है, जिससे भारत विश्व की प्रथम महाशक्ति बन सकें। महोत्सव का मूल्यांकन अवश्य करें। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि अनादिकाल से हमारे देश का विज्ञान आगे रहा है। उन्होंने विज्ञान की प्रतिभाओं को निखारने का आहवान किया। दिलावर ने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में शोध करने के लिए लोग आगे आएं। समारोह को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव वी. श्रवण कुमार और विज्ञान भारती के सचिव डॉ. मेघेन्द्र शर्मा ने भी सम्बोधित किया।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में तिरूपति 5 स्टार कचरा मुक्त शहर में शामिल

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में तिरूपति सबसे बड़ा शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) है। तिरूपति नगर निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 रैंकिंग में 1 लाख से अधिक आबादी वाले सबसे स्वच्छ शहरों में 8वां स्थान हासिल करने के बाद स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। इतना ही नहीं, इस शहर ने 5-स्टार कचरा मुक्त शहर (जीएफसी) और वाटर प्लस रेटिंग हासिल की है, जिससे यह देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में स्थापित हो गया है। तिरूपति एक ऐसा शहर है जो लगभग 115 टीपीडी गीला कचरा, 15 टीपीडी खाद्य अपशिष्ट, 61 टीपीडी सूखा और पुनर्चक्रण योग्य कचरा, 1 टीपीडी घरेलू खतरनाक कचरा, और 2 टीपीडी प्लास्टिक कचरा के अलावा प्रतिदिन 25 टन अतिरिक्त निर्माण और विध्वंस कचरा उत्पन्न करता है। ऐसे में इस शहर ने मजबूत कचरा प्रबंधन को प्राथमिकता दी है। वहां एकत्र किए गए सभी कचरे को संबंधित अपशिष्ट प्रसंस्करण और प्रबंधन सुविधाओं में वैज्ञानिक रूप से संसाधित किया जाता है।

तिरूपति नगर निगम टीम ने स्वच्छता सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए समर्पित लगभग 1000 स्वच्छता कर्मचारियों को नियोजित किया है। 100 प्रतिषत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का लक्ष्य हासिल करते हुए, शहर में प्लास्टिक और गैर-प्लास्टिक कचरे को अलग करने के लिए नीले, हरे और लाल डिब्बों से सुसज्जित घंटा गाड़ी या ऑटो टिपर सहित आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करके हर दरवाजे से कचरा उठाया जाता है। इस शहर में वास्तविक समय में घर-घर कचरा संग्रहण ट्रैकिंग के लिए आरएफआईडी तकनीक के साथ एक ऑनलाइन अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली (ओडब्ल्यूएमएस) काम करती है। निरंतर निगरानी और समर्पित स्वच्छता प्रयासों के साथ, इसने सभी दरवाजों से 100 प्रतिषत सफल कचरा संग्रह दर सुनिश्चित की है। 238 चिन्हित स्थानांतरण जगहों के साथ इस शहर में द्वितीयक संग्रह के लिए 57 वाहन आवंटित किए गए हैं। तिरूपति में विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रसंस्करण से केंद्रीकृत संयंत्रों पर बोझ कम हो जाता है, जिससे उनका कार्यभार और परिवहन लागत कम हो जाती है। बाजारों और उद्यानों में गीले कचरे के प्रसंस्करण पर ध्यान केंद्रित किया गया है जहां बड़ी मात्रा में जैविक कचरा उत्पन्न होता है। वहां 6 विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाएं हैं जो 3 प्रमुख बाजारों और 3 उद्यानों में स्थित हैं। इसके अलावा शहर में तीन अलग-अलग स्थानों पर 3 बायो चेस्ट मशीनें लगाई गई हैं। तिरूपति नगर निगम ने प्रतिदिन 100 किलोग्राम से अधिक कचरा उत्पादन करने वाले 27 और प्रतिदिन 50-100 किलोग्राम कचरा उत्पादन करने वाले 60 कचरा उत्पादकों की पहचान और उनका वर्गीकरण किया है। तिरूपति में प्रतिदिन लगभग 60 टन सूखा कचरा और 1 टन घरेलू खतरनाक कचरा उत्पन्न होता है। थुकिवाकम में एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन सुविधा के भीतर स्थित यह केंद्रीकृत सुविधा सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधा के रूप में कार्य करती है। यहां, कचरे को व्यवस्थित रूप से पुनर्चक्रण योग्य और गैर-पुनर्चक्रण योग्य वस्तुओं में अलग किया जाता है। पुनर्चक्रण योग्य सामग्री प्रासंगिक पुनर्चक्रण संस्थाओं को बेची जाती है, जबकि अन्य को आरडीएफ के लिए निर्देशित किया जाता है या सीमेंट कारखानों के भट्ठों में सह-प्रसंस्करण के लिए भेजा जाता है।

तिरूपति प्रतिदिन 2 टीपीडी प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है। इनके सही प्रसंस्करण के लिए विभिन्न उपाय किए जाते हैं। प्लास्टिक कचरे का प्रबंधन वर्तमान में थुकिवाकम में एक ट्रांजिट शेड में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र में किया जाता है, जिसकी क्षमता प्रति दिन 5 टन कचरे का निस्तारण करने की है। यहां मुख्य रूप से निम्न-श्रेणी के प्लास्टिक कचरे पर काम होता है। वर्तमान में पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक को पुनर्चक्रणकर्ताओं को बेचा जाता है, जबकि गैर-पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक को डालमिया सीमेंट्स में सह-प्रसंस्करण के लिए भेजा जाता है। प्लास्टिक अपशिष्ट प्रसंस्करण को बढ़ाने के लिए थुकिवाकम में एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन सुविधा में एक स्थायी शेड का निर्माण किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य शहर में उत्पन्न प्लास्टिक कचरे के प्रसंस्करण से लाभ को बढ़ावा देना है, जो प्रभावी प्लास्टिक कचरा प्रबंधन में एक और महत्वपूर्ण कदम है। तिरुपति ने एक अनोखे तरीके से प्लास्टिक कचरे को रीसाइक्लिंग के लिए एक वॉशिंग प्लांट और एक एग्लोमरेटर मशीन (धाना मशीनरी) पेश की है। इस मशीनरी ने नगर निगम टीम को वर्ष के दौरान 263.29 टन प्लास्टिक दाने बेचने में सक्षम बनाया है।

थुकिवकम में बायो ग्रीन सिटी अपशिष्ट प्रबंधन सुविधा में बायो-मीथेनेशन संयंत्र लगा है जो 50 टीपीडी जैविक कचरे को बायो-मीथेन गैस में बदल देता है। उच्च फाइबर वाले जैविक कचरे का उपयोग कृषि के लिए गुणवत्तापूर्ण खाद बनाने के लिए किया जाता है, जबकि इससे उत्पन्न बायो-गैस खाना पकाने, ऊर्जा और वाहन इंधन के लिए होटलों और उद्योगों को बेची जाती है। संयंत्र से लगभग 1728 घन मीटर प्रतिदिन बायो-गैस प्रतिदिन उत्पन्न होता है। इस संयंत्र से प्रतिदिन 5 टन खाद भी प्राप्त होती है। कचरे के प्रसंस्करण के बाद, संसाधित सामग्री का उपयोग कर्ब स्टोन, टाइल्स, रास्ते में बिछाने लायक पेवर ब्लॉक इत्यादि के निर्माण के लिए कच्चे माल के रूप में किया जाता है। नगर निगम इसका उपयोग फुटपाथ, सड़क के किनारे, पार्क आदि में विकासात्मक कार्यों के लिए करता है। पहले से ही 2 लाख टन कचरे के बोझ से लदे तिरुपति में रामापुरम डंपसाइट को अब पूरी तरह से उपचारित कर लिया गया है, और अतिरिक्त 25.65 एकड़ भूमि फिर से हासिल कर ली गई है। प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन, नागरिक जागरूकता और समावेशी स्वच्छता की दृष्टि के प्रति तिरुपति की प्रतिबद्धता इस शहर को स्वच्छता पहल में एक अग्रणी शहर के रूप में स्थापित करती है।

आईटी वॉइस एक्सपो 2024 की झलकियां

Lamp Lighting at Inauguration IT Voice Expo 2024

Day 1

Amitabh Nag
CEO – BHASHINI Digital India
Ministry of Electronics & Information Technology

Dr. Ajay Data, MD - Data Group of Industries

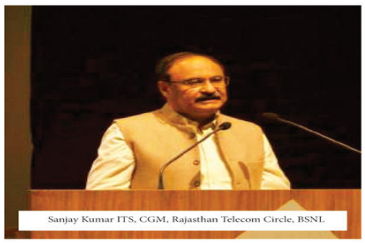

Gopal Sharma, MLA, Govt. Of Rajasthan

Sanjay Kumar ITS, CGM, Rajasthan Telecom Circle, BSNL

Mantavya Gajjar, MD - Odoo India

Sourav Biswas, Senior Director of Product Management at Seqrite

Day 2

L to R: Paresh Gupta, Shankar Morwal, Sandeep Jain, Arpit Soni, Aman Malhotra, Dr. Tarun Kumar Taunk, Tarun Sachdeva

HP's Keynote Session

Gaurav Batra, CEO, Cyberfrat - Keynote Session

Yogesh Arora, BM Infotrade - Keynote Session

L to R: Major General Anuj Mathur, Rajiv Kapoor, MD - Geeken, Vasudev Devnani, Speaker - Rajasthan Legislative Assembly, Inderjeet Singh IAS, Commissioner & Special Secretary - Department of Information Technology & Communication, vRajasthan

Sanjib Mondal, Sr. Solutions Engineer, Acronis India & South Asia

L to R: Mohd. Izhar, Ashim Bhasin, Suparn Goel, Aveek Roy, Dev Kumar

L to R: Parijat Agarwal, Co-Founder & COO - Metacube Software, Tapan Sharma, Additional Director, iStart Rajasthan

Day 3

L to R: Munesh Jadoun, Founder & CEO - ZNet Technologies, Tapan Sharma, Additional Director, iStart Rajasthan

L to R: Tapan Sharma, Additional Director, iStart Rajasthan, Anil Agarwal, Managing Director - NAV Backoffice

L to R: Alok Sharma, Co-Founder & Chief Growth Officer - Marktine Technology Solutions, Tapan Sharma, Additional Director, iStart Rajasthan

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक तरूण कुमार टांक के लिये महारानी प्रिन्टर्स प्लाट नं. 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 52/121, वीरतेजाजी रोड, मानसरोवर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-तरूण कुमार टांक Email: mahanagarstambh@gmail.com